कुमार जीवन - 67

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार अर्थात् सदा अचल-अडोल, **कैसी भी परिस्थिति आ जाए लेकिन डगमग होने वाले नहीं। क्योंकि आपका साथी स्वयं बाप है। जहाँ बाप है, वहाँ सदा ही अचल-अडोल होंगे।** जहाँ सर्वशक्तिमान होगा वहाँ सर्व शक्तियाँ होंगी। सर्वशक्तियों के आगे माया कुछ कर नहीं सकती।

➳ _ ➳ इसलिए कुमार जीवन अर्थात् सदा एकरस स्थिति वाले, हलचल में आने वाले नहीं। **जो हलचल में आता है, वह अविनाशी राज्य-भाग्य भी नहीं पा सकता, थोड़ा-सा सुख मिल जायेगा लेकिन सदा का नहीं।** इसलिए कुमार जीवन अर्थात सदा अचल, एकरस स्थिति में स्थिति रहने वाले।

➳ _ ➳ तो **एकरस स्थिति रहती है या दूसरे रसों में बुद्धि जाती है? सब रस एक बाप द्वारा अनुभव करने वाले - इसको कहते हैं एकरस अर्थात् अचल- अडोल।** ऐसा एकरस स्थिति वाला बच्चा ही बाप को प्यारा लगता है। तो यही सदा याद रखना कि हम अचल-अडोल आत्मायें एकरस स्थिति में रहने वाली हैं। (30-01-1988)

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ मुरली

→ पीने की वस्तु है

- पड़ने की नहीं

→ पड़ने से ज्यादा महत्वपूरण है

- उसे समझना

→ चाहे कम पड़ो

- पर उसका विस्तार ज्यादा है

➳ _ ➳ तीन शब्द जिनका आपस में गहरा सम्बन्ध है

→ अचल

→ अडोल

→ एकरस

- सिर्फ एक में अनुभव करना
  - सब सुख
  - सब आनंद
  - सब संतोष

➳ _ ➳ You Are At Right Place With Right People

→ आप जहाँ हैं

- वही आपके लिए Perfect स्थान है

→ आप जिन लोगों के साथ हैं

- वही आपके लिए Perfect लोग हैं

→ आप जिस सेण्टर पर हैं

- वही आपके लिए Perfect Center है

→ जो आपके सेण्टर की दीदी है

- वही आपके लिए Perfect दीदी हैं

➳ _ ➳ बाबा को बाबा बाबा चिल्लाने वाले प्रिय नहीं

→ बल्कि एकरस स्थिति में रहने वाले प्रिय हैं

- उसे सबस एज्यादा प्रिय है :- बच्चों की स्थिति